

प्रतापलोक

पंचेन्दुनेत्रयलोचना
नीलकण्ठभागकननी
मिश्रं ॥ सुतापुलोहोद्य
गालंघनस्य वन्द्योद्य
तास्य विद्यसुविष्टं ॥
त्रिरुंजनाद्वकृत्यगुण
नैः ॥ मोक्षाभीमान्द्रक
यविष्टि वन्द्ये ॥ त्रीयोद
स्य सर्वजसन्निधाने
जोरेयि त्रिर्गोकुललोक
दद्यात् प्रतापलोकेश्व
रनामधेये ॥ कृतप्र
थिव्या गिरितजपुत्रा
इति प्रतापलोकेश्वर
विष्णो ॥ ॥ ॥ ॥

आशा शिवकाथि

2349

ASHA ARCHIVES

प्रनायक के श्वर ६

भुङ्ग पा रो नो ला ५

भुङ्ग न प्रक नो ला ३

भुङ्ग मो हा नो ला ३

भुङ्ग न न्य क नो ला २

म री च नो ला ३

संख भ स्म नो ला २

पु न्न म वा को व रा नी नो

ला १० भुङ्ग वि व नो ला

६ ये नी च रा ग रि पु न

पा न्न ग रि आ ड क र स्य

न त्रि गुं जा प्र मा भा क्षि

त सो ध सु नि का सो

था वा ६ दो ये कु क्षि

भु म प्र नी छ दि द

न व न्य त्री यो द श स

र्व जो र जी रा रो ग ना

श इ नि प्र ना लं के भ ६

रस पर्व ६

भुङ्ग पा रो नो ला ५

भुङ्ग ग न्य क नो ला ५

यो क्षी ठो क ना प का सा

प का उ न्न र धु वा न्न

या प छि गा त र आ क्षा

इ गो व र मा थि के रा को

पा त आ क्षा ई उ र मा ष

नी के रा को पा त ले छे

प न्न से ला या प छि ति

इ भ यो यो ओ स धी

वा ना ला ई स दी नि

या व ग ला पा न्न संग

ग र्मी न या जी रा म ह

मि श्री संग जी रा म

नी हि ग यो ली ति धु

ननमिलाई धुवाउनु
ग्रहनी अमिसारुमाइ
राजीमीनीकोईछा॥

पंचामृतपर्पटि र
शुद्धी तोला ५
शुद्धगन्धक तोला ५
शुद्धलवाहा तोला ५
शुद्धअश्रुक्त तोला ५
शुद्धनामिश्र तोला ५
तायक्यासायकाई
गोबरकोशाईतेल
साधिकेराकोपान
विष्णाकेराकोपाने

धनैलमनागनायादा
नावनरफलायारसन
यावमुत्थपाकयाना
त्रियेमुसलितनीलनि
मागोलीचीनेपाना
वोनये॥ ॥ प्राणभर
रस॥ ॥ ॥ ॥

कमलगतापाक

कमलहातोला १०
चिनीयाउ ॥
यातकतो १
भुवेलतोला १
दाखटोला १०
महमोला १
पुडयाउ १
जीरातोला १

कमलगतापाक

कदारतोला १
गुर्जरातुतो ६
यतीथोकचुरागरि
चिनुइदमापकाइ
पुमाओसभीभूती
पकायाकोइदमाओ
सभीमीलाइपकाउ
नु१तोलाकोमानाह
वाधनुगाइकाउध
संगधानुकोलअ
जिरोप्रमहप्रदर
रक्तपित्रकुसरेग
समूर्णगमीउमरे
इतीकमलगतापाक
भानुवधिहोइलिंग
जगगे॥ ॥ ॥